IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, February 2023
Impact Factor: 7.301

राजनीति में अनुसूचित जनजातियों की सहभागिता

कुंवर प्रताप सिंह[1] एवं डॉ. संध्या शुक्ला[2]
शोधार्थी, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[1]
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[2]

सारांशः "मध्य भारत में'' अुसूचित जनजातियों आदिवासी प्रश्न पारंपरिक रूप शिक्षा और नीति समझौते द्वारा दो तरह से प्रस्तुत किया गया हैं और एक ओर कामकाज और (जातियों) अनुसूचित जनजातियों के बीच अंतर करने का प्रश्न और दूसरी ओर किसानों के बीच अतंर करने का प्रश्न और यह सवाल कि कैसे सबसे अच्छा सुधार किया जाता है इसे सार्वभौगिक रूप से अनूसूचित जनजाति आदिवासियों के बीच गरीबी से पीड़ित स्थिति के रूप में देखा जाता है। स्वायत्तता राज्य का स्तर और महत्वाकांक्षा के लिए संघर्षो ने पहचान के सवालों को केंन्द्र में रखा है। सरकार के लिए मुख्य कानून और व्यवस्था और समाधान आमतौर पर सैन्य पैक्स पर माना जाता है। समकालीन जनजातियों की राजनीति को समझने के लिये अच्छी पहचान उनको जानना होगा पूर्व औपनिवेशिक काल में जबकि पहाड़ी और मैदानी लोगों ने विभिन्न पारिस्थितिक सामाजिक और अकसर राजनीतिक स्थानों पर कब्जा कर लिया था अकसर दोनों के बीच काफी व्यापार और यहाँ तक कि अतंर्विवाह भी होते थे मध्य और उत्तर पूर्वी भारत दोनों में सामाजशास्त्रीय और ज्ञान मीमांसीय समावेशन तथा भारत में आदिवासियों का चरित्र चित्रण अफ्रीका के समान था नस्ल और मानवमिति के आधार विकास वादी वर्गीकरण पर धुंधला किसी भी स्वदेशी राजशाही हो या राजनीति को एक उदासीन रिश्तें बद्ध सामाज और तौर तरीको की कथित प्रायिकता उत्पाद ''आदवासी'' ''आदिम'' ''जंगली'' ''अनुसूचित जनजाति'' ''जगली निर्देशांक'' की भी उन लोगों को मार्क करने लिए परस्पर उपयोग किया जाता है। लेकिन वर्तमान समय में अनुसूचित जनजाति सामाज आर्थिक राजनीतिक में सहभागिता दे रहे है। पहले के विचारो से अब विचार धाराओं में थोड़ा बदलाओं हुआ है। कि किन्तु फिर भी अनुसूचित जानजातियों की संख्या पिछड़ी हुई है उन्हें भी राजनीतिक में भाग लेना चाहिए ताकि उनका विकास मनोबल उच्चतम हो सकें और वें अपने विचारों को रख सके अपने मूल्यों को पहचान सके।

मुख्य शब्दः राजनीत में अनुसूचित जनजातियों की सहभागिता

संदर्भ ग्रंथ सूचीः

[1]. डॉ. ब्रहदेव शर्मा चतुर्थ आवृति 1994 मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग भोपाल 4642003 प्राची प्रकाशन नई दिल्ली

[2]. डॉ. धर्मवीर महाजन डॉ. कमलेश महाजन 2007 विवेक प्रकाशन 7 यू.ए. जवाहर नगर दिल्ली

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, February 2023
Impact Factor: 7.301

[3]. डॉ. हरि प्रसाद जोशी 1994 मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग भोपाल

[4]. देव प्रकाश 2014 जातिगत समाज शास्त्र ओमेगा पब्लिकेशन 4378 4B,G-4 जे. एम. डी. हाऊस गली मुरारी लाल अंसारी रोड़ दरिया गंज नई दिल्ली –110002 ई मेल omegapublications yahoo.com

[5]. https://m.thewirehindi.com

[6]. आदिवासी विकास एक सैद्धान्तिक विवेचन

[7]. जनजातिय समाज का समाज शास्त्र 1994 मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी रवीद्रन्द्रनाथ 461003 कोरकू जनजाति

[8]. article m.p. adivasistriba